the NDF from some criminal cases. I had written a letter to the Home Minister, here also. But, now the NDF is behind this terrorist attack. Some of the ruling partners of the UDF Government in Kerala, like the Muslim League, who have an alliance with the NDF...*(Interruptions)*...In view of this, Sir, I would request the Government to take appropriate steps so that such incidents do not occur in future. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I think, that is enough.

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN : Sir, some urgent steps should be taken in this regard, to avoid such incidents in future. ...*(Interruptions)*...The Central Government is deputing a Minister there. ...*(Interruptions)*... My humble request is that the State should not be divided on communal lines. ...*(Interruptions)*... Urgent steps should be taken by the Central Government in this regard. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. ...*(Interruptions)*...Take your seat. ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, the issue raised by the hon. Member, Shri Vijaya Raghavan, is a serious one. The Government of India is aware of that. Therefore, the Minister of State for Home Affairs, Shri I.D. Swami, has gone to Kerala, today. He would be visiting the place, where this incident took place. It has also been scheduled that he would be having discussions not only with officials, but with the Chief Minister also on the very same issue, which the hon. Member has raised. After his return, I will convey the feelings of the hon. Member.

Removal Of Munshi Premchand's novel'Nirmala' from the syllabus of 12th standard by the Madhyamik Siksha Board

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) : धन्यवाद महोदय । मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास निर्मला को 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है और उस की जगह समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्षा मृदुला सिन्हा के उपन्यास "ज्यों मेहंदी के रंग" को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा पाठ्यक्रम में लगा दिया गया है ।

महोदय, मुंशी प्रेमचंद कालजयी उपन्यासकार थे । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के इस कदम से पूरा साहित्य-जगत उद्वेलित है । प्रेमचंद के उपन्यास की भाषा सहज और सरल होती है और आसानी से आम आदमी के दिल को छू लेती है । यह बच्चों के लिए सहजता से बोधगम्य होती है । महोदय, बच्चों को पढ़ाया ही इस दृष्टि से जाता है ताकि वह समाज और जीवन की हकीकत को समझने की कोशिश करें । हिंदी साहित्य जगत में मुंशी प्रेमचंद की कलम से आसान कलम किसी की नहीं है । इसलिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का यह कदम मुंशी प्रेमचंद का अपमान नहीं बल्कि समूचे हिंदी साहित्य जगत का अपमान है । हिंदी साहित्य में मुंशी प्रेमचंद जैसे एक-दो और उपन्यासकार होंगे, अगर उन की भी किताब पाठ्यक्रम में लगायी गयी होती तो उस पर बहुत बेचैनी नहीं होती । लेकिन एक सरकारी अफसरशाही के दांव-पेंच से प्रेमचंद से लेकर संपूर्ण साहित्य जगत को अपमानित करते हुए अपनी लिखी गयी किताब को लगवाना चिंता का विषय है ।

मैं सरकार से आग्रह करूंगा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के इस निर्णय पर पुनःविचार करे और सदन में वक्तव्य दे ।

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल) : सर, कम-से-कम आप इस सवाल पर सरकार को निर्देशित कर दें...**(व्यवधान)**... सदन उसे खामोश बैठकर देखता रहेगा...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप देखिए, माननीय सदस्य एक बात समझ लें कि श्री मिश्र जी के द्वारा जो मामला उठाया गया है, उस के बाद अब कोई बात नहीं रह गयी है ।

श्री नीलोत्पल बसु : आपको सरकार को निर्देशित करना चाहिए ।

श्री सभापति : इस मामले में समूचे सदन को विश्वास में लिया जाएगा ।

(उपसभापति महोदया पीठासीन हुईं।)

श्री नीलोत्पल बसु : उपसभापति महोदया, यह बहुत सीरियस मामला है जिसे जनेश्वर मिश्र जी ने उठाया है। पाठ्यक्रम में ...**(व्यवधान)**... मृदुला सिन्हा का उपन्यास डाल दिया है । महोदया, उस दिन एच0आर0डी0 मिनिस्टर यहां एक लंबा-चौड़ा भाषण कर के गए कि वह निष्पक्ष हैं और मार्क्सिस्ट के खिलाफ हैं, लेकिन दूसरी ओर मुंशी प्रेमचंद जैसे सर्वमान्य उपन्यासकार की लेखनी पर अगर हमला होता है तो उस से गंभीर बात कुछ हो नहीं सकती है।

उपसभापति : अब चैयरमेन साहब ने आश्वासन दे दिया है...

श्री प्रेम गुप्ता (बिहार) : महोदया, यह * की पत्नी हैं ।

---

* Not recorded.

उपसभापति : जो हाउस में नहीं है, उसका नाम न लिया जाय । जो हाउस के मेंबर नहीं हैं, उन का नाम लेने की क्या जरूरत है । अच्छा अब आप बैठिए ।

श्री प्रेम गुप्ता : वह तो पत्नी हैं ।

उपसभापति : कोई-न-कोई, किसी-न-किसी की पत्नी या पति होते ही हैं, बैठिए We have to take up the Electricity Bill. ...*(Interruptions)*... We have to go ahead. ...(*Interruptions*)... Shri Jibon Royji, I have to take up the Electricity Bill now. ...(*Interruptions*)... ...(*Interruptions*)...Now, I am going to take up the Electricity Bill. ...(*Interruptions*)...Now, we have the introduction of a Bill. ...(*Interruptions*)... Shri O. Rajagopalji will introduce the Merchant Shipping (Amendment) Bill, 2003.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : महोदया, इस पर सरकार को जवाब देना चाहिए ।

उपसभापति : अच्छा, बैठिए । चैयरमेन साहब के आश्वासन के बाद क्या मेरा आश्वासन होगा? ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सरला माहेश्वरी : मैडम, इस पर सरकार को जवाब देना चाहिए ।

उपसभापति : आपको मालूम है, अभी वह कैसे जवाब देंगे? .. **(व्यवधान)**... लालू जी, बैठिए।

श्री लालू प्रसाद (बिहार) : महोदया, देशभर में चारों तरफ यूनिवर्सिटीज में, एकेडिमिक जगत में शोर मचा हुआ है कि किस तरह से भा0ज0पा0 द्वारा अपने रिश्तेदारों को किताबों में डालकर और प्रेमचंद जी व अन्य लेखकों को हटाकर सारे भारत का इतिहास बदला जा रहा है । हमने सुना है कि * जो मुजफ्फरपुर के नेता हैं, उनकी पत्नी हैं।

उपसभापति : नहीं, नाम न लें, लालू जी। ...**(व्यवधान)**...

श्री लालू प्रसाद : मैडम, भाजपा भारत का इतिहास बदल रही है। हम चार्ज करते हैं कि यह हमारे देश के इतिहास को नेस्तनाबूद कर रही है। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सरोज दुबे (बिहार) : महोदया, यह बहुत गंभीर विषय है। ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति : बैठिए, आप बैठिए। रिकार्ड हो गया है। Rajagopalji, introduce the Bill.

---

* Not recorded.